

**P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI**

**Internal Examination**

**B.A. Semester - IV**

**[Mark : 40**

**19-3-2016]**

**Sanskrit : CC-403**

**[11-00 to 12-30**

**पञ्चतन्त्रे-मित्रभेदः - पण्डितविष्णुशर्मा ।**

1. प्राणीकथानां लक्षणो दर्शावी, पंचतंत्रं नुं मूल्यांकन करो.

**अथवा**

**14**

1. पंचतंत्रनो परियय आपी, तेना उपदेशं नुं मूल्यांकन करो.

2. **दूकनोध लभो. (गमे ते ले)**

**14**

(1) समुद्र अने टीटोडानी कथा.

(2) यकली-छाथीनी वार्तामांथी प्राप्त थतो बोध.

(3) पंचतंत्रना पांच विभागो.

(4) धर्मबुद्धि अने पापबुद्धिनी वार्तामांथी प्राप्त थतो बोध.

(5) पंचतंत्रनो रचनाकाण.

3. **नीयेनामांथी गमे ते छ प्रश्नोना जवाब एक-ले वाक्योमां जशावो.**

**12**

(1) प्रसुतिकाण नञ्जक आवतां टीटोडीअे टीटोडाने शुं कहुं ?

(2) परिश्रमनो महिमा वर्णवो.

(3) कम्बुत्रीव कायबाना मित्रोनां नाम जशावो.

(4) त्रश माछलांना नाम अर्थ साथे जशावो.

(5) यकलादम्पतिनी वार्तामांथी शो बोध मणे छे ?

(6) शंकुकर्णो वध शा माटे करवामां आव्यो ?

(7) पंचतंत्रना पांच विभागोना नाम जशावो.

(8) मेघनाद कोनुं नाम छे ? ते शुं सलाह आपे छे ?

(9) पक्षीओना समूहे टीटोडाने शुं कहुं ?

(10) नाम्ने तथा असांनि रूप ओणभावो.

(11) कुरु तथा देहि रूप ओणभावो.

(12) ददीय तथा ददानि रूप ओणभावो.